सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन नं. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 14 अंक -51 | 21 अगस्त 2025,गुरुवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

मदन राठौड़ बोले- विपक्ष में भ्रष्टाचारी बहुत ज्यादा:सोनिया-राहुल गांधी जमानत पर है, इसलिए इनको डर लग रहा है

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

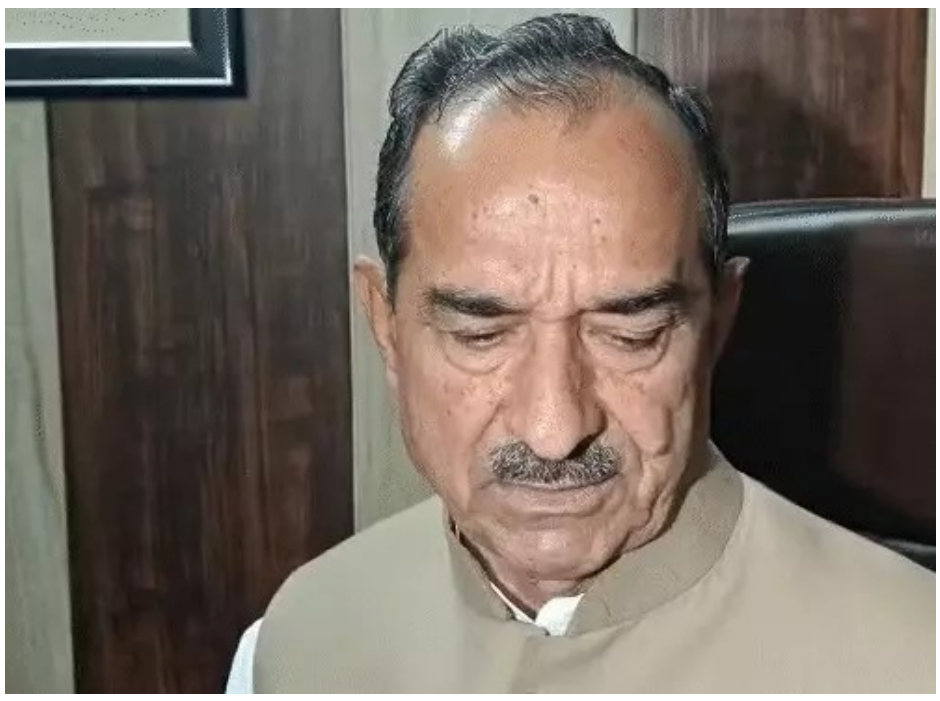

प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को गिरफ्तारी या 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद छोड़ने वाले बिल पर विपक्ष के हंगामे को लेकर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि विपक्ष में भ्रष्टाचारी बहुत ज्यादा है। उनको लगता है कि हमें ही जेल मिलने वाली है। चोर की दाढ़ी में तिनका इसी को ही कहते हैं।

राठौड़ ने कहा- हमें तो डर है नहीं, क्योंकि हम तो स्वच्छ प्रशासन दे रहे हैं। हमारे नेताओं का तो उच्च आदर्श श्रेणी का हमारा व्यवहार है। सोनिया-राहुल गांधी जमानत पर हैं। प्रियंका गांधी के श्रीमान भी जमानत पर हैं। इसलिए डर उनको है।

इनको डर है सदस्यता चली जाएगी

मदन राठौड़ ने कहा- पहले जो वित्त मंत्री (पी चिदंबरम) रहे, वो भी जमानत पर हैं। उनका बेटा भी जमानत पर है। जो जमानत पर हैं, उनको लगता है कि ये जमानत कब रद्द हो जाए और जेल जाना पड़े। वहीं, एक महीने जेल में रह गए तो सदस्यता चली जाएगी।

इस तरह का कुनबा उधर ही ज्यादा है, इसलिए वो डर रहे हैं। वो किसी भी कीमत पर इस बिल को नहीं लाना चाहते हैं। जबकि यह बिल जेपीसी में जाएगा। जेपीसी में विपक्ष के सदस्य भी होते हैं। उसमें निर्णय होगा। लेकिन उनको पहले से यह भय सता रहा है कि यह हमारे खिलाफ हैं। जबकि यह तो चोरों और अपराधियों के खिलाफ हैं। किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है। आप मत करो अपराध, ईमानदारी से रहो। अपना स्वच्छ जीवन रखो।

निर्वाचन आयोग में बीजेपी का हस्तक्षेप नहीं

राज्य निर्वाचन आयोग और सरकार में वन स्टेट वन इलेक्शन को लेकर उत्पन्न हुई टकराव की स्थिति पर मदन राठौड़ ने कहा- हम ऐसा कानून बनाना चाहते हैं। जिसमें एक साथ चुनाव हो जाए। इसका बहुत फायदा है। एक साथ चुनाव हो जाए और उसके बाद सभी लोग एक साथ विकास में लगे। लेकिन निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और उसमें भाजपा का कोई हस्तक्षेप नहीं है। हमें तो मैदान में लड़ने के लिए कहा जाएगा तो हम लड़ेंगे भी और जीतेंगे भी।

महंगाई भत्ता बढ़ाने को लेकर श्रमिकों का प्रदर्शन:बोले— 3 महीने से केवल आश्वासन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा में संगम इंडिया फैक्ट्री के यूनिट गेट के बाहर गुरूवार को बड़ी संख्या में मजदूरों ने नारेबाजी करते हुए धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान श्रमिकों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने पहले महंगाई भत्ता बढ़ाने पर सहमति जताई थी, लेकिन 3 महीने बीत जाने के बाद भी उसे लागू नहीं किया गया।

गेट के बाहर धरना प्रदर्शन

मामला हमीरगढ़ थाना क्षेत्र के बिलिया कलां स्थित संगम इंडिया यूनिट से जुड़ा है। यहां गुरूवार को फिर श्रमिकों का आक्रोश फूट पड़ा। महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में मजदूरों ने यूनिट गेट के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

बढ़ाए भत्ते को फिर से घटा दिया

श्रमिकों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने पहले महंगाई भत्ता बढ़ाने पर सहमति जताई थी, लेकिन 3 महीने बीत जाने के बाद भी उसे लागू नहीं किया गया। उल्टा, कुछ समय के लिए बढ़ाए गए भत्ते को पुनः घटा दिया गया, इससे मजदूरों में नाराजगी है।

मजदूर बोले— हमारा शोषण किया जा रहा

श्रमिक नेताओं ने बताया कि हम दिन-रात फैक्ट्री में खून-पसीना बहाकर मेहनत करते है, ताकि परिवार का पालन-पोषण हो सके। लेकिन प्रबंधन बार-बार हमारे हक पर कुठाराघात करता है।मजदूरों का शोषण कर यूनिट प्रबंधन अपनी मनमानी कर रहा है। अगर समय रहते हमारी मांगें नहीं मानी गई तो संघर्ष को और व्यापक किया जाएगा। धरनास्थल पर श्रमिकों ने चेतावनी दी कि जब तक महंगाई भत्ते में वास्तविक वृद्धि लागू नहीं होती और शोषण की नीति खत्म नहीं की जाती, आंदोलन जारी रहेगा। मजदूरों ने साफ कहा कि यह लड़ाई सिर्फ हमारे हक की नहीं बल्कि हमारे परिवार के भविष्य की है। अगर बार-बार हमें सड़क पर उतरना पड़ा तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

इधर सूचना के बाद हमीरगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची ओर फैक्ट्री गेट पर मोर्चा संभाला।

2 पहियों पर दौड़ाया ई-रिक्शा;रील बनाई,जयपुर पुलिस ने दबोचा तो बोला-फॉलोअर्स बढ़ाने थे

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स पाने का जुनून किस हद तक जानलेवा हो सकता है, इसका नज़ारा जयपुर में ई-रिक्शा से किए गए खतरनाक स्टंट ने दिखा दिया। सड़कों पर फर्राटा भरते इस ई-रिक्शा ने लोगों की जान सांसत में डाल दी। ड्राइवर फरदीन कुरैशी (32) निवासी भट्ठाबस्ती ने न सिर्फ जानलेवा करतब किए, बल्कि उन स्टंट्स के वीडियो भी बनाए और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिए। वीडियो में कहीं ई-रिक्शा दो पहियों पर भागता नजर आया, तो कहीं युवक को छत पर बिठाकर सड़क पर दौड़ाया गया। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने बुधवार शाम आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में फरदीन ने कबूल किया कि सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने की ख्वाहिश में ही वह ऐसे वीडियो बनाता और पोस्ट करता था। जयपुर की सड़कों पर ई-रिक्शा से ऐसा खतरनाक खेल खेला गया कि लोग दहशत में आ गए। इंस्टाग्राम रील्स पर अपलोड हुए वीडियो में ई-रिक्शा से रोड पर स्टंट दिखाए गए। कभी दो पहियों पर गाड़ी दौड़ती तो कभी ऊपर बैठा युवक अपनी जान खतरे में डालता। वीडियो में साफ दिखा कि लोग सड़क पर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते रहे।

डीसीपी (क्राइम) अभिजीत सिंह ने बताया कि आरोपी फरदीन कुरैशी को सीएसटी की टीम ने इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर खोज निकाला। वीडियो अपलोड होने के बाद जैसे ही पुलिस ने जांच शुरू की, आरोपी तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर ई-रिक्शा जब्त कर लिया।

पूछताछ में आरोपी फरदीन ने चौंकाने वाली बातें कबूल कीं। उसने कहा कि वह केवल सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए ही इस तरह के जानलेवा स्टंट करता और उनके वीडियो अपलोड करता था। यह जुनून ही उसकी गिरफ्तारी का कारण बना। फरदीन कुरैशी कोई नया खिलाड़ी नहीं निकला। पुलिस रिकॉर्ड में उसके खिलाफ पहले से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं। संजय सर्किल और जालूपुरा थानों में उसके खिलाफ कुल 4 मामले दर्ज हैं। यही नहीं, पुलिस ने कई बार उसके खिलाफ चालान भी काटा था। इसके बावजूद आरोपी ने खतरनाक स्टंट करना जारी रखा। जयपुर की गलियों में ई-रिक्शा का ऐसा खतरनाक खेल पहली बार नहीं हुआ, लेकिन इस बार मामला इतना गंभीर था कि पुलिस को सख्त कदम उठाने पड़े। सड़क पर दौड़ते ई-रिक्शा के स्टंट ने आम लोगों की जान तक खतरे में डाल दी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

भीलवाड़ा में यूजर-चार्ज के विरोध में दूसरे दिन मंडी बंद

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राज्य सरकार की ओर से कृषि उपज मंडियों में कृषि उपज व खाद्य उत्पादों पर 50 पैसा प्रति सैकड़ा यूजर चार्ज लगाने के निर्णय का विरोध करते हुए भीलवाड़ा कृषि उपज मंडी यार्ड व होलसेल किराना मर्चेंट एसोसिएशन के व्यापारियों ने आज दूसरे दिन भी कारोबार बंद रखा इससे मंडी परिसर में सन्नाटा छाया रहा। भीलवाड़ा से पदाधिकारी आज जयपुर में होने वाली मीटिंग में शामिल होने गए हैं। सरकार से वार्ता के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

मंडी के अंदर शुल्क, बाहर छूट

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि सरकार ने यूजर चार्ज केवल मंडी परिसर में लागू किया है, जबकि मंडी के बाहर व्यापार करने वालों पर कोई शुल्क नहीं है। इससे मंडी के अंदर के व्यापारी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएंगे। व्यापारियों ने कहा कि यदि यूजर चार्ज निरस्त नहीं किया गया तो उन्हें मंडी छोड़नी पड़ेगी ।

किसानों व उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर

व्यापारियों ने कहा कि यह शुल्क केवल व्यापारियों पर ही नहीं, बल्कि किसानों और उपभोक्ताओं पर भी सीधा असर डालेगा। मंडी परिसर खाली होने पर किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलेगा। उपभोक्ताओं को सस्ता सामान मंडी से नहीं मिल पाएगा। बिना बिल के लेन-देन बढ़ने की संभावना है। मंडी सूनी होने से राज्य सरकार को मंडी शुल्क और केंद्र सरकार को जीएसटी राजस्व का नुकसान होगा।

ये है प्रमुख मांग

मौजूदा बाजार में मुनाफा सिर्फ 1 प्रतिशत तक ही रह गया है। व्यापारियों को स्टाफ, बिजली, फोन और बैंक कैश क्रेडिट पर ब्याज जैसे खर्च झेलने पड़ते हैं। ऐसे में 50 पैसे प्रति सैकड़ा का यूजर चार्ज मुनाफे को पूरी तरह खत्म कर देगा। यह नीति केंद्र सरकार की जीएसटी सरलीकरण की नीति के विपरीत है।

C M Y K

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति चुनाव में दक्षिण बनाम दक्षिण

पिछले महीने जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे से रिक्त हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को मतदान होना है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने अपने-अपने उम्मीदवार भी तय कर लिए हैं। जहां भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को प्रत्याशी बनाया है, वहीं विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी पर दांव लगाया है।

वे आंध्र के हैं, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु के। स्पष्ट है कि दक्षिण बनाम दक्षिण का यह मुकाबला कई पैमानों पर रोचक होने जा रहा है। संवैधानिक व्यवस्था और आदर्श लोकतांत्रिक ढांचे में उपराष्ट्रपति से राजनीतिक रूप से निरपेक्ष एवं तटस्थ रहने की अपेक्षा होती है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति जैसे पदों की शपथ भी इस मायने में कुछ अलग होती है। उसमें संविधान के प्रति निष्ठा जैसे अन्य-पहलुओं के साथ 'संविधान की रक्षा' के बिंदु पर भी जोर होता है। उपराष्ट्रपति केवल एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद ही नहीं, बल्कि उसके पास राज्यसभा के संचालन का दायित्व भी होता है। ऐसे में, राजनीतिक कारणों और विधायी एजेंडे की दृष्टि से सत्ता पक्ष के लिए इस पद की अहमियत और बढ़ जाती है। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए इस चुनाव का महत्व भी काफी बढ़ गया है। जब जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया था तब तात्कालिक रूप से यही कारण बताया गया कि स्वास्थ्य के आधार पर वे अपना पद छोड़ रहे हैं, लेकिन उसके बाद का घटनाक्रम दर्शाता है कि उनकी एकाएक विदाई के पीछे कुछ और कारण रहे। सार्वजनिक जीवन में धनखड़ की सक्रियता के एकदम सीमित हो जाने से भी इन संदेहों को बल मिला कि बात उतनी सीधी भी नहीं, जितनी बताई गई। कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने धनखड़ द्वारा सार्वजनिक जीवन से एकाएक दूरी बनाए जाने को लेकर सवाल भी उठाए।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

,,,,तो राजनिति हमारी भावना से खेल रही है!हम तो सनातन की रीढ रहे है..फिर क्यो एकता फेल रही है।।मै तो क्या कहूं? क्या लिखु??अदना सा ना समझ मनुज हूं!कारवां दिल ए दिव्य मोहब्बते सैलाब हूं। भेदभाव हिंसा के खिलाफ आग हूं।।घंमड और पांखड के खिलाफ हूं,,,,मै वतन परस्तो की नींद हराम,,,,बहुजन,अभिनव भारत लोकतंत्र इंकलाब हूं।।✍️दिव्य

विश्व वरिष्ठ जन दिवस पर रखी गई विचार गोष्ठी

बुजुर्गो का हो सदा ही सम्मान- ओजसवी

द मूवमेंट ऑफ इंडिया
जोधपुर

वर्ल्ड सीनियर्स सिटीजन डे के अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार व स्वतंत्र लेखक मदन सालवी ओजस्वी के सानिध्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाकर ओजस्वी ने बताया कि मांता पिता बडे बुजुर्ग हमारे जीवन के प्राण हैं। आधार है। इन्ही की बदोलत है हम आज जो कुछ भी है। हमे सदेव ही इनका सम्मान आदरमान का ध्यान रखते हूऐ अपनी वजह से इन्हे कोई भी तकलीफ ना हों। बडे बुजुर्ग यदि खुशहाल हे तो हम खुशहाल है। हमें चाहिए कि माता पिता व बडे जो बुजुर्ग हे उनके पास बेठें,उनकी सुने, उनसे मार्गदर्शन लें, उनको अकेला नही रहनें दें, खान पीन दवा स्वास्थ्य आदि का पुरा ख्याल रखे, वो हमारे पास नही,हम उनके पास रहें, बहन बेटी और बहू को भी यह समझ हो कि अपने माता पिता, सास सुसर की देखभाल सार सँभाल मे कोई कमी ना रखे। अपने बच्चो मे भी नैतिक शिक्षा तथा बडो के प्रति हर वक्त सम्मान करना,संस्कारो को समझ कर पालन करना सिखाऐ तभी हम घर परिवार तथा समाज के लिए उपयोगी हो सकते है। अपने व्याख्यान मे ओजस्वी ने बताया कि संस्कारवान घर परिवार के कोई भी बडे बुजुर्ग किसी वृद्धाश्रम मे नही मिलेगें।

श्री शिव महापुराण कथा का कलशयात्रा के साथ प्रारम्भ

द मूवमेंट ऑफ इंडिया
शाहपुरा राजेन्द्र खटीक।

शाहपुरा-छाऊ देवी उपाध्याय की इच्छानुसार श्री शिव महापुराण कथा की जा रही है।जिसकी सुबह 11 बजे कलश यात्रा भाणा गणेश जी मंदिर से बैंड बाजे के साथ शुरु हुई।इस कलश यात्रा में महिलाओं-पुरुषों ने भगवान के भजनों के साथ नाचते-गाते नजर आये।यह कलशयात्रा भाणा गणेश मन्दिर से होते हुए त्रिमूर्ति चौराया,रामद्वारा,पुराना बस स्टैंड, वेलकम होटल होते हुए फिर से त्रिमूर्ति चौराया होते हुए शिव शक्ति खटीक समाज धर्मशाला पहुची।जहा मंशापूर्ण महादेव व राधा-कृष्ण मन्दिर में दर्शन कर कथा स्थल पहुची वहा भोलेनाथ की आरती कर कथा प्रवक्ता परम् पूज्य श्री श्री 1008 जगतगुरु परमहंसाचार्य स्वामी दयानन्द सरस्वती जी महाराज कोठिया द्वारा प्रारम्भ की गई।

आज पहले दिन श्री शिव महापुराण कथा की जानकारी दी जिसमे दयानन्द सरस्वती जी ने बताया कि श्री शिव महापुराण भगवान शिव को समर्पित एक प्रमुख हिन्दू पुराण है।इसमें शिव के विविध रूपो, अवतारों ,ज्योतिर्लिंगो,भक्तो और भक्ति का वर्णन बताया गया।

आज इस कथा में रामगोपाल शर्मा, मयंक शर्मा,राकेश शर्मा, नरेन्द्र शर्मा,विहान शर्मा,चिराग शर्मा,भवर सेन,शम्भू सेन,राजेन्द्र खटीक, मदन गुर्जर, अभिषेक सेन और महिलाओं में कुसुम लता शर्मा,दीपिका शर्मा,मधु शर्मा आदि महिलाएं-पुरुष उपस्थित रहे।

शाहपुरा में विश्व फोटोग्राफी दिवस धूमधाम से मनाया गया

द मूवमेंट ऑफ इंडिया
शाहपुरा राजेन्द्र खटीक।

शाहपुरा-तस्वीरें समाज की संस्कृति, रीति-रिवाज और बदलाव की गवाही देती हैं। इन्हीं तस्वीरों को भविष्य के लिए दस्तावेज मानते हुए विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर शाहपुरा फोटोग्राफर एसोसिएशन की ओर से भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुई। अध्यक्षता शाहपुरा फोटोग्राफर एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वैष्णव ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ फोटोग्राफर धर्म प्रकाश सोनी, रंगकर्मी रामप्रसाद पारीक, आजाद सिंह सांखला, रामलक्ष्मण वैष्णव फुलिया कला तथा अधिवक्ता दीपक पारीक मौजूद रहे। सभी अतिथियों का माल, साफा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर विशेष सम्मान अधिवक्ता दीपक पारीक को भी दिया गया, जिन्होंने पावरलिफ्टिंग और बियर्ड प्रतियोगिता में शाहपुरा का नाम रोशन किया है।

फोटोग्राफर नरेश व्यास ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया वहीं कार्यक्रम का संचालन दीपक पारीक ने किया।

रामलक्ष्मण वैष्णव ने कहा कि फोटोग्राफी जीवन के खास पलों को हमेशा के लिए संजोकर रखती है। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष विश्व फोटोग्राफी दिवस फुलिया कला तहसील में भव्य महासंगम के रूप में मनाया जाएगा। वरिष्ठ फोटोग्राफर रामप्रसाद पारीक ने 70 के दशक से आज तक की फोटोग्राफी की यात्रा और बदलावों को अपने अनुभवों के साथ साझा किया। धर्म प्रकाश सोनी ने फोटोग्राफी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि फोटोग्राफी की शुरुआत 19वीं सदी में हुई थी और पहला स्थायी फोटो 1826 में फ्रांसीसी आविष्कारक जोसेफ निप्से ने लिया था। 19 अगस्त 1839 को फ्रांस सरकार ने लुई डैगुएर की खोज डैगुएरोटाइप को जनता के सामने प्रस्तुत किया, जिसे आधुनिक फोटोग्राफी की शुरुआत माना जाता है।

वरिष्ठ फोटोग्राफर आजाद सिंह सांखला ने कहा कि कभी शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन एक तस्वीर हजारों भाव व्यक्त कर देती है। नवोदित फोटोग्राफर विमलेश धाकड़ और तेजू कुमावत ने भी अपने विचार रखे और फोटोग्राफी को जीवन का अहम हिस्सा बताया।इस अवसर पर सभी फोटोग्राफरों का परिचय सम्मेलन कराया गया और अंत में सभी ने मिलकर फोटोग्राफी को और आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

जुनावास स्कुल में फर्नीचर भेट किया व स्वच्छता का संदेश

द मूवमेंट ऑफ इंडिया
शाहपुरा राजेन्द्र खटीक।

शाहपुरा-चूरिया मूरिया शिक्षा पर्यावरण स्वास्थ्य सेवा संस्था की ओर से बुधवार को राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय जूनावास में डॉ.रामेश्वर प्रसाद जीनगर सी बी ई ओ सुवाणा के मुख्य आतिथ्य और संस्था प्रधान डॉ .शान्ति लाल छापरवाल की अध्यक्षता ,राजकुमार कांकरिया प्रधानाध्यापक के विशिष्ट आतिथ्य में विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु फर्नीचर , लेखन सामग्री और प्र.अ. रीवोल्विंग चेयर भी निशुल्क भेंट की गई।सचिव हेमलता अगनानी ने बताया कि संस्था सदस्यों अनिल शर्मा और रमेश अगनानी ने स्वच्छता, पर्यावरण का महत्व बताकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलवाया।अतिथियों ने भामाशाह डॉ. मीनाक्षी और विवेक पालीवाल द्वारा शिक्षा मंदिर में दान की गई। इस सामग्री को अत्यंत उपयोगी और पुनीत, प्रशंसनीय कार्य बताया। प्रारम्भ में विद्यालय स्टाफ द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में वंदना चारण, मधुलिका उपाध्याय, राखी राठौड,मीनाक्षी जैन,दिव्या भांबी, पूजा गारू सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया।संस्था प्रधान डॉ. शांतिलाल छापरवाल ने आभार व्यक्त किया।

सुविधाओं में बाधा बनने वाली संरचनाओं की जानकारी दी

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजकुमार सैन

धौलपुर नगर परिषद द्वारा 181 जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नगर परिषद की टीम पुलिस बल के साथ मंगलवार को मिडवे के पीछे स्थित लीला बिहार कॉलोनी पहुंची। यहां पर सार्वजनिक रास्तों पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए लगभग 20 फुट चौड़ा मार्ग पूरी तरह से साफ करवाया गया।

नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा ने बताया कि शहर के 19 वार्डों से अब तक 181 पोर्टल पर बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें अवैध कब्जों और सार्वजनिक सुविधाओं में बाधा बनने वाली संरचनाओं की जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शिकायत की पहले मौका मुआयना (साइट विजिट) की जा रही है, जिसके बाद आवश्यकतानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही

है,हालांकि कार्रवाई के दौरान स्थानीय निवासियों और नगर परिषद की टीम के बीच विवाद की स्थिति भी बनी। कुछ नागरिकों ने आरोप लगाया कि बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के उनके घरों के सामने बने चबूतरे और चैंबर तोड़ दिए गए, जिससे अब क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है,विवाद की स्थिति को संभालते हुए पुलिस प्रशासन ने लोगों को समझाया और कार्रवाई शांतिपूर्वक पूरी की गई। वहीं, कुछ निवासियों ने स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए समय देने की मांग की और कहा कि वे खुद ही अपने कब्जे हटा लेंगे, बशर्ते उन्हें पूर्व सूचना दी जाए। कार्रवाई के बाद स्थानीय निवासियों ने यह भी मांग की कि नगर परिषद उन चैंबरों और नालियों की मरम्मत कराए जो अतिक्रमण हटाते समय क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उनका कहना है कि यदि इनकी शीघ्र मरम्मत नहीं की गई, तो बारिश के मौसम में यहां गंभीर जलभराव हो सकता है।

आकोला में महिलाओं ने किया बछ बारस व्रत

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

आकोला (रमेश चंद्र डाड) क्षेत्र के गांव आकोला खजीना होलीरड गेगा खेड़ गेणोली बीगोद में बुधवार को बछ बारस का पर्व पारंपरिक श्रध्दा व उल्लास के साथ मनाया गया यह पर्व मां और संतान के बीच वात्सल्य भाव का प्रतीक माना जाता है सुहागिन महिलाएं घर की सुख समृद्धि और अपने पुत्र की लंबी आयु के लिए गया व बछड़े की पूजा अर्चना करती है इस दिन गेहूं से बने पकवान और चाकू से सब्जी नहीं खाई जाती है मक्का बाजरे या ज्वार की रोटी व चने की सब्जी खाई जाती है ओर चाकू से सब्जी कटी नहीं खाई जाती हे पूजन करके खुशहालीकी कामना की

शिवानी शर्मा के द्वारा जताया गया रोष

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

जिस देश का आदर्श श्लोक यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमणते तत्र देवता÷ होता था, वहां आज-कल नारी के साथ पशुता की तरह व्यवहार किया जा रहा है! मैं बात कर रही हूँ हरियाणा की शिक्षिका मनीषा की ! जिसके साथ कैसा जघन्य अपराध किया गया है! एक पशु जिस तरह से शरीर को नोच नोच कर खाता है वैसे ही मनुष्य के रूप में घूम रहे भेड़ियो ने महज 19 साल की मनीषा के साथ किया ! ऐसे लोग मनुष्य कहलाने तक के हक में नही है ! ऐसे हिंसक जानवरो का पकड़ने के बाद बीच चौराहा में वही हाल होना चाहिए जो उनके द्वारा मनीषा के साथ किया गया है ; उन दरिंदो की भी आँखे , फेफड़े, किडनी आदि सब निकाल लेनी चाहिए ! ऐसा कुकर्म करने वाले स्वयं को किसी भी धर्म ,वर्ग या समुदाय के बताते हो किंतू वो मानव कहलाने योग्य नहीं है! ऐसे दरिंदो को सज़ा किसी प्रशासन द्वारा नहीं बल्कि जनता द्वारा बीच चौराहे में जिंदा जला कर देनी चाहिए ! यदि ऐसे अपराधी को सख्त सजा नहीं दी गई तो किसी ना किसी रूप में ये आतंक बढ़ता रहेगा, ऐसा अपराध करने वाले ये नहीं देखेंगे कि अमीर की बेटी है या ग़रीब की,, प्रशासन की है या सत्ता के किसी नेता की या फ़िर किसी आम आदमी की... ये भेड़िए है कुछ भी कहीं भी कर दे! इसलिए ऐसे दरिंदों को तो खतरनाक सज़ा देनी ही चाहिए !

जय हिंद

ज़िला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा । जिले में परिवेदनाओं के निस्तारण के संबंध में जारी दिशा निर्देश के अनुसार अगस्त माह के तृतीय गुरुवार को ज़िला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया 7 जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में ज़िला कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

जनसुनवाई के दौरान लगभग 100 प्रकरणों पर सुनवाई हुई 7 जनसुनवाई में प्रमुख रूप से अतिक्रमण, रास्ते के प्रकरण, पानी भराव की समस्या, गंदगी, जल निकासी, पानी का कनेक्शन, राशन कार्ड चालू करवाने, तथा पुलिस संबंधी प्रकरण प्राप्त हुए जिनको जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर त्वरित तथा संतुष्टि पूर्ण समाधान के लिए निर्देशित किया।

जिला कलक्टर श्री संधू ने मौके पर मौजूद लोगो की समस्याओं एवं सार्वजनिक समस्याओ के प्रार्थना पत्रो पर संबंधित अधिकारी व कार्मिकों को निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जायेगी। उन्होंने कहा की आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से निपटाने का कार्य किया जाये। अधिकारी व कर्मचारी किसी भी कार्य में खानापूर्ति ना करे।जनसुनवाई के दौरान मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत भी वीसी के माध्यम से विभिन्न जिलो में चल रही जनसुनवाई से जुड़े तथा सभी जिलो का कुशल सुशासन सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन किया 7

ज़िला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

इसके पश्चात जिला जनअभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमे 4 प्रकरणों पर सुनवाई की गई 7 व प्रकरणों को अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को आदेशित किया गया। बैठक में लम्बित प्रकरणों को जल्द निस्तारित करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर श्री संधू ने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले सभी प्रकरणों को निश्चित समयावधि में निस्तारित किया जाये। जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते लम्बित प्रकरणों के जल्द निस्तारण के लिये संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी प्रकरणों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को राहत दी जाये।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र यादव , अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री ओपी मेहरा सहित विभिन्न विभाग अधिकारी व कार्मिक आदि मौजूद रहे।

केबीजेपी-कांग्रेस में आमने-सामने की टक्कर, दोनों ही पार्टियों के लिए अहम माना जा रहा उपचुनाव-:

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजकुमार सैन

धौलपुर-राजाखेड़ा /राजाखेड़ा नगर पालिका के वार्ड नंबर 9 में पार्षद पद उप चुनाव के लिए आज गुरुवार 21 अगस्त को मतदान कराया जा रहा है। मतदान प्रक्रिया सुबह 7-00 से शुरू हो चुकी है जो शाम 5-00 बजे तक चलेगी, सुबह से ही लोगों में मतदान को लेकर उत्साह नजर आ रहा है। मतदान को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए मौके पर पुलिस प्रशासन की व्यवस्थाएं चाक चौबंद बनी हुई है। सुबह साढ़े दस बजे तक 29 प्रतिशत मतदान हुआ है, वार्ड 9 के पार्षद पद के लिए हो रहे उपचुनाव में कुल 695 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिन में महिलाएं मतदाताओं 318 एवं पुरुष मतदाताओं की संख्या 377 है

बीजेपी-कांग्रेस में आमने-सामने की टक्कर, दोनों ही पार्टियों के लिए अहम माना जा रहा उपचुनाव-

राजाखेड़ा के वार्ड नंबर 9 से कांग्रेस पार्षद जहूर खान के निधन के बाद पार्षद पद के रिक्त पद के लिए हो रहे उपचुनाव के लिए कांग्रेस और बीजेपी में आमने-सामने के टक्कर मानी जा रही है। दोनों ही पार्टियों के लिए यह उपचुनाव काफी अहम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो आने वाले राजाखेड़ा नगर पालिका चुनाव को लेकर भी इस उपचुनाव के द्वारा लोगों की रुख देखने को मिल सकता है।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा